शिकारी रनिंग आउल

नथानिएल बेंचले

चित्र: मोमरू फनाई



रनिंग आउल जंगली भैंस के शिकार पर जाने को लालायित है. लेकिन उसके पिता कहते हैं कि वो अभी बहुत छोटा है.

"नहीं," रनिंग आउल खुद से कहता है. "हम देखेंगे कि कौन छोटा है और कौन नहीं है."

एक असली शिकारी के लिए अपने बालों में एक चील के पंख लगाना जरूरी होता है. रनिंग आउल को वो बात पता है, इसलिए वो चील को पकड़ने के लिए एक जुगाड़ बनाता है. लेकिन चीजें अनुमान के अनुसार नहीं घटती हैं. रनिंग आउल को उसका पंख मिल जाता है, लेकिन इससे पहले उसकी मुलाक़ात एक बहुत ही असामान्य चील परिवार से होती है.

यह एक मज़ेदार और काल्पनिक कहानी है.

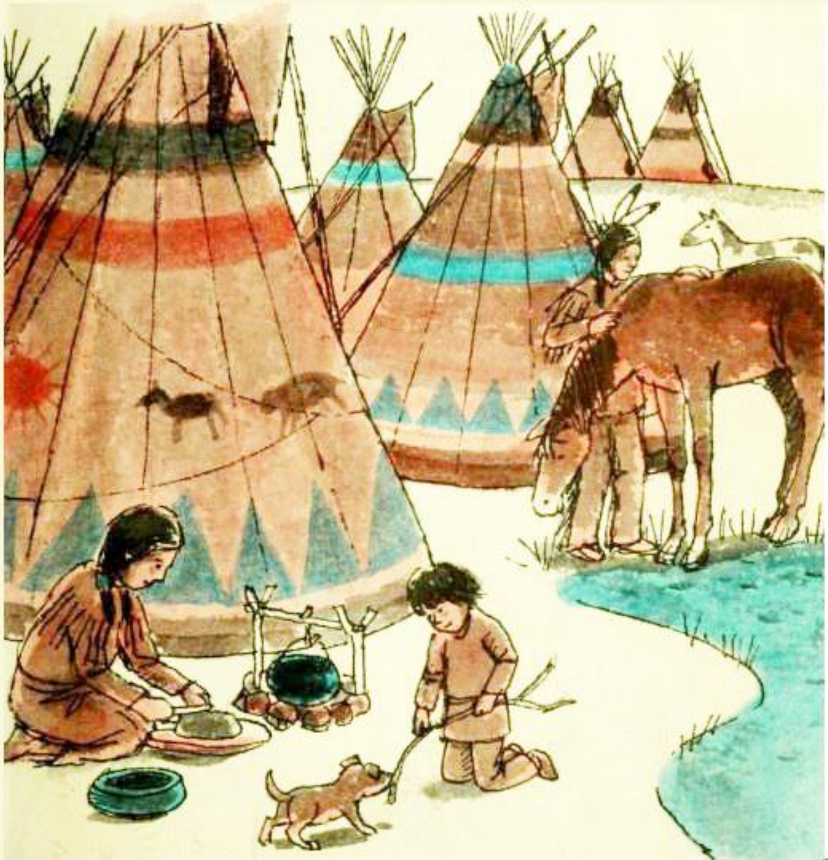
शिकारी रनिंग आउल

नथानिएल बेंचले

चित्र: मोमरू फनाई



रनिंग आउल नाम कर लड़का, पश्चिमी मैदानों में एक इंडियन गाँव में, अपने माता-पिता के साथ रहता था.







उसके पिता और अन्य लोग हिरण, भैंस, चील और खरगोशों के साथ-साथ जो कोई जानवर उन्हें मिलता था उसका शिकार करते थे. लेकिन वे ज्यादातर भैंसों का शिकार ही करते थे.

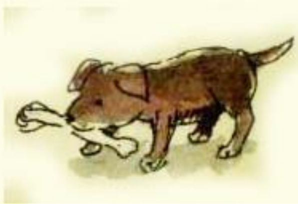
भैंस के शिकार के बाद, जब सभी लोग पेट भरके खा चुकते, तो महिलाएं बाकी मांस को काटकर सूखने के लिए लटका देती थीं.

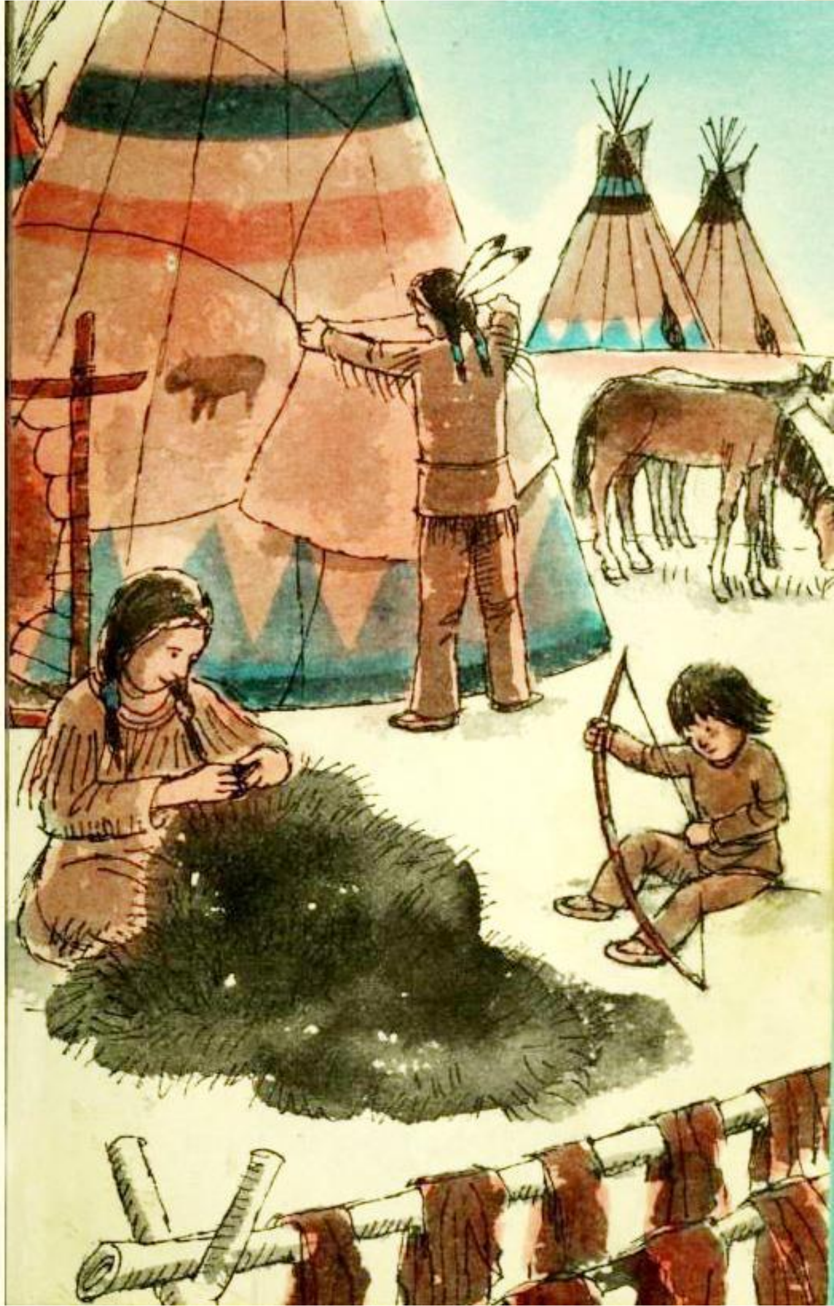
वे भैंस की खाल से भैंसों के लिए लबादे बनाते थे.

वे भैंस के टेंडन (तंतुओं) से धनुष की डोर बनाते थे.

वे भैंस की चमड़ी से अपने तम्बू (टीपी) का कवर बनाते थे.

संक्षेप में, वे जानवर के हर हिस्से का समुचित इस्तेमाल करते थे.







और सबकुछ ख़त्म होने के बाद वे भैंस की खोपड़ी को पूर्व की ओर एक टीले पर रख देते थे. इस तरह वे भैंस के दिए उपहारों का धन्यवाद अदा करते थे.

किसी और चीज से ज्यादा, रनिंग आउल भैंस के शिकार पर जाना चाहता था.

उसने अपने पिता से उसके बारे में पूछा, लेकिन पिता ने कहा,

"तुम अभी छोटे हो. तुम्हें चोट लग सकती है."



"मुझे चोट कैसे लग सकती है?" रनिंग आउल ने पूछा.

"मैं घुड़सवारी कर सकता हूँ."

"तुम गिर सकते हैं और फिर कुचले जा सकते हो," पिता ने उत्तर दिया.





"यदि दौड़ते हुए भैंस तुम पर अपने खुर रखेंगे तो उससे तुम्हें चोट लग सकती है."

"नहीं," रनिंग आउल ने कहा.

लेकिन उसने यह बात हल्के से कही जिससे उसके पिता उसे सुन न सकें.

"हम देखेंगे कि कौन बहुत छोटा है और कौन नहीं है."



अगली बार जब शिकारी भैंस के शिकार पर गए, तब रनिंग आउल ने अपने ही दम पर कुछ शिकार करने का फैसला किया.

उसने अपना धनुष-बाण उठाया और वो भी चल दिया. उसे यह नहीं पता था कि वो क्या ढूंढ रहा था, इसलिए वो किसी भी चीज के लिए तैयार था.



उसे शिकार करने के लिए जानवर खोजने में काफी कठिनाई हुई.

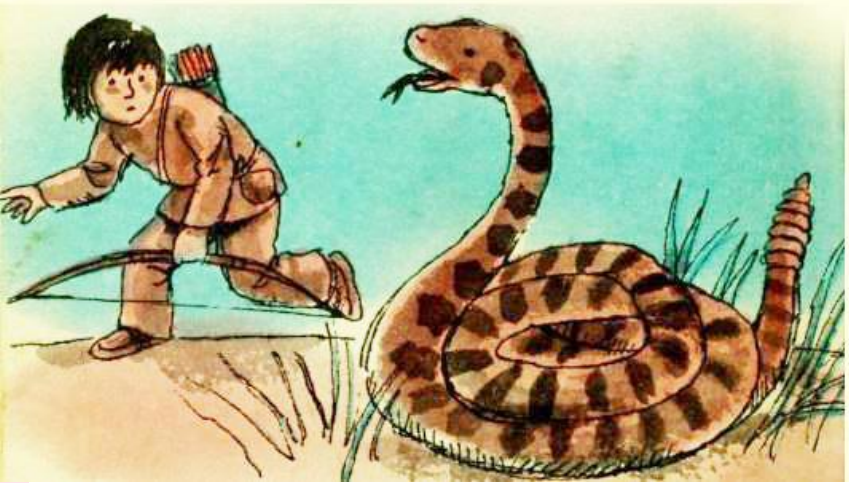
उसने एक सांप देखा, लेकिन सांप ने उसपर फुंकारा और फिर वार करने के लिए कुंडली बनाई.

उसके नुकीले दांत तीरों जैसे बड़े दिखाई दे रहे थे.

"मैं आज सांप का शिकार नहीं करूँगा," रनिंग आउल ने सोचा.

"शायद किसी और दिन."





फिर उसने एक जंगली कुत्ते को देखा, लेकिन इससे पहले कि रनिंग आउल उसपर निशाना साध पाता कुत्ता अपने बिल में घुस गया.




उसने हिरणों का एक झुंड देखा, लेकिन वे सभी लम्बी छलांगें लगाकर भाग गए, और इससे पहले कि वो अपने धनुष पर तीर चढ़ा पाता, वे सभी गायब हो गए.



आगे उसने एक खरगोश देखा.

रनिंग आउल से जितना हो सका, वो रेंगता हुआ खरगोश के पास गया और फिर खड़े होकर उसने एक तीर छोड़ा.

खरगोश, झाड़ियों के पत्ते खा रहा था. उसने जब तीर के उड़ने की "सीटी" सुनी तब उसने चारों ओर देखा.

"क्या तुम मुझ पर तीर चला रहे हो?" उसने पूछा.



"हाँ," रनिंग आउल ने दूसरा तीर तानते हुए कहा.

"मूर्ख मत बनो," खरगोश ने कहा.

"तुम मुझे एक लाख वर्षों में भी नहीं मार पाओगे."

"ओह तेरी?" रनिंग आउल ने सावधानी से निशाना साधा और फिर से तीर चला दिया.





इस बार खरगोश ने सीधे हवा में छलांग लगाई, जिससे तीर उसके नीचे से निकल गया.

गुस्से में रनिंग आउल ने अपने सारे तीर चला डाले, लेकिन खरगोश लगातार उछलता रहा और उसे कोई भी तीर नहीं लगा.

"देखो, कोई आसान शिकार करने की कोशिश करो," खरगोश ने दुबारा पत्ते कुतरते हुए कहा.

"गाय जैसे किसी बड़े और धीमे जानवर का शिकार करो."

रनिंग आउल को जो भी तीर पड़े मिले उसने उन्हें उठाया और वो दुबारा फिर किसी अन्य जानवर का शिकार करने निकल पड़ा.

"गुडलक," खरगोश ने उससे जाते हुए कहा. लेकिन रनिंग आउल ने उसका कोई जवाब नहीं दिया.







तभी उसे याद आया कि कैसे उसके पिता ने एक बार एक चील पकड़ी थी.

"मुझे भी वही करना चाहिए," उसने सोचा.

"बालों में लगाने के लिए मुझे एक चील का पंख चाहिए. तभी मैं एक असली शिकारी की तरह दिखूंगा, और उससे शायद मुझे शिकार करने में भी मदद मिले."



फिर रनिंग आउल ने जमीन में एक गड्ढा खोदा, जैसा कि उसने अपने पिता को करते हुए देखा था, और फिर उसने गड्ढे को टहनियों और पत्तों से ढक दिया.

उसके बाद, उसने सूखे मांस का एक टुकड़ा लिया, जो वो अपने दोपहर के भोजन के लिए लाया था. उसने मांस को टहनियों के ऊपर रख दिया.

फिर वो उस गड्ढे में घुस गया और अपनी पीठ के बल लेट गया. उसने अपने ऊपर कुछ और टहनियां और और पत्तियां रखीं जिससे वो पूरी तरह से ढक गया.

अब वो टहनियों के माध्यम से आकाश को देख सकता था, लेकिन उसे कोई भी नहीं देख सकता था.



फिर उसने मांस का टुकड़ा लेने के लिए चील के आने की प्रतीक्षा की.

धीरे-धीरे गड्ढे में गर्मी बढ़ने लगी, लेकिन वो फिर भी प्रतीक्षा करता रहा.

उसके ऊपर मिट्टी के कुछ टुकड़े गिरे, पर फिर भी वो हिला नहीं.

वो बस इंतजार करता रहा, और इंतजार करता रहा और इंतजार करता रहा.





फिर उसे पास में शांत कदमों की एक आहट सुनाई दी.

उसने सुना, और एक पल बाद उसने मांस को सूँघते हुए एक कोयोट को देखा.

"उस मांस से दूर हो जाओ!" रनिंग आउल चिल्लाया, और उससे कोयोट हवा में पाँच फीट उछल गया.




"वो किसने कहा?" कोयोट ने पूछा.

"मैंने कहा!" रनिंग आउल ने उत्तर दिया.

"देखो वो मांस, चील को पकड़ने के लिए चुग्गा है!"

कोयोट ने टहनियों और झाड़ियों के ढेर में से झाँका जहाँ रनिंग आउल छिपा था.

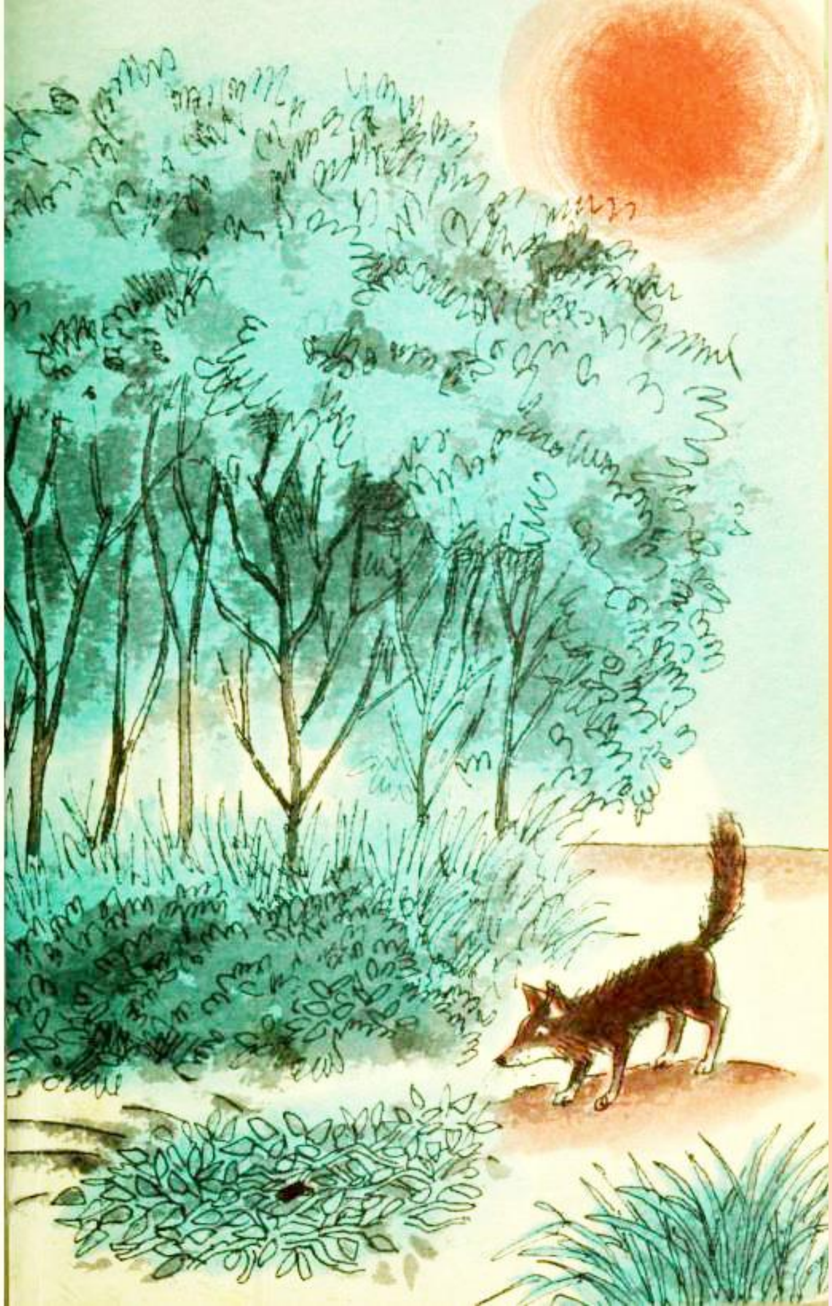
"क्या तुम इंडियन हो?" उसने पूछा.

"हाँ," रनिंग आउल ने कहा.

"क्या तुमने सोचा कि मैं एक मछली हूँ?"

"तुम एक बहुत छोटे से इंडियन हो," कोयोट ने कहा.

"मान लो मैं मांस लेकर भाग जाऊँ, तो?"



"फिर मैं तुम्हारे पूरे कुनबे को नहीं छोड़ूंगा," रनिंग आउल ने कहा. उसका चेहरा अब मिट्टी से भरा हुआ था.

"मैं अपने पिता और सभी भैंस शिकारियों से तुम्हें पकड़ने को कहूंगा और फिर वे तुम्हारी चमड़ी को एक टेपी (तम्बू) से लटका देंगे!"





कोयोट ने इस बारे में एक पल के लिए सोचा.

"इन इंडियन लोगों ने मुझे पागल कर दिया है," उसने कहा, और फिर वो मुड़ा और वहां से चला गया.

रनिंग आउल ने कुछ और इंतजार किया, और फिर उसे हवा में एक हल्की सरसराहट की आवाज सुनाई दी.

वो आवाज़ कुछ इस प्रकार थी

व्हिश ....

व्हिश व्हिश व्हिश

फ्लैप फ्लैप फ्लैप फ्लैप फ्लैप

फिर अचानक एक चील उसके ऊपर की टहनियों पर उतरी.





चील ने अपने पंख मोड़ लिए और मांस को चोंच मारने लगी.

रनिंग आउल ने एक गहरी साँस ली, फिर उसने अपने हाथों को टहनियों के बीच से बाहर निकाला.





फिर उसने चील की टांगों को जोर से पकड़ लिया. चील चिल्लाई, और उसने अपने पंखों से हवा को पीटा, जिससे टहनियां, झाड़ियाँ और पत्ते सभी दिशाओं में उड़ गए. फिर रनिंग आउल को चील ने गड्ढे के बाहर खींच लिया और उसे जमीन पर पटक दिया.

"अरे!" वो चील की ओर चिल्लाया.

"अभी रुको! मैंने तुम्हें पकड़ लिया है!"

"तुम मुझे अभी नहीं पकड़ पाए हो," चील ने उत्तर दिया, और फिर उसने अपने पंखों को और भी तेज़ी से फड़फड़ाते हुए कहा,

"हम देखेंगे कि किसने किसे को पकड़ा है!"





रनिंग आउल ने चील को छोड़ने की कोशिश की, लेकिन चील ने अपने पंजों से उसकी कलाई पकड़ी थी.

चील ने रनिंग आउल को तेजी से और तेजी से जमीन पर पटका जिससे धूल का





एक बड़ा बादल उठा, और फिर चील, रनिंग आउल को साथ लेकर, हवा में उड़ी.



"मुझे जाने दो!" रनिंग आउल रोया.

"वो सिर्फ एक मजाक था! मैं तुम्हें चोट नहीं पहुँचाऊँगा!"

"बस एक मजाक," चील ने कहा.

"हम सब बाद में मिलकर, उसके बारे में हंस सकते हैं."



रनिंग आउल ने नीचे देखा. वो अब अपने गाँव के तम्बुओं (टीपियों) देख सकता था.

उसे अब लोग चींटियों के समान छोटे दिखाई दे रहे थे.

बहुत दूर, लगभग धूल में छिपा हुआ, भैंसों का एक झुण्ड था, जिसका उसके पिता और अन्य लोग शिकार कर रहे थे.



"तुम मुझे कहां ले जा रहे हो?" रनिंग आउल ने पूछा.

"तुम देखोगे," चील ने उत्तर दिया.

"याद रखना वो तुम्हारा विचार था."

"लेकिन यह उसका हिस्सा नहीं था," रनिंग आउल ने कहा.

"मेरे मन में कुछ और ही था."

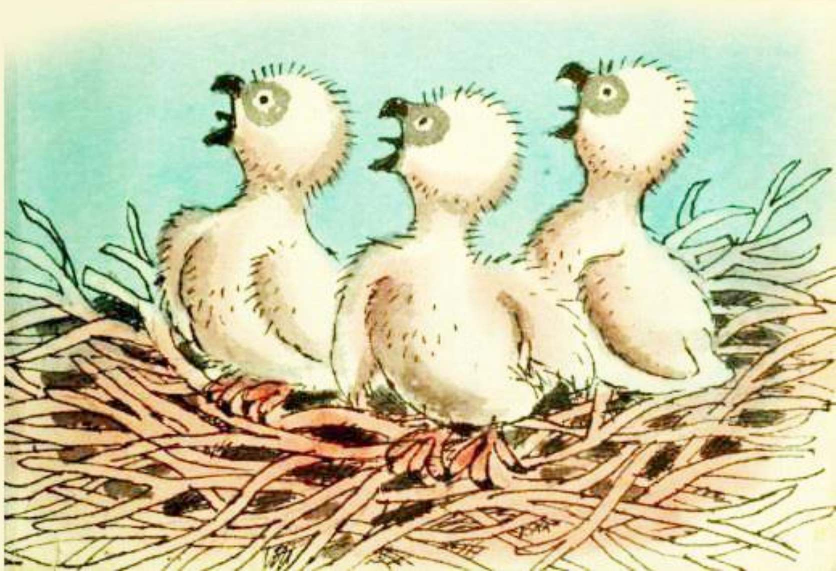
"क्या?" चील ने कहा.

"जो तुम्हें मिलता है वही तुम लेते हो."

फिर वे एक ऊँची, पथरीली चट्टान पर पहुँचे.

चट्टान में एक कगार पर एक बड़ा घोंसला था, जो टहनियों से बना था, और घोंसले में तीन चील के बच्चे थे.

उन्होंने अपनी गर्दनें फैलाईं और अपनी चोंच खोलीं क्योंकि बड़ी चील अपने पंजों में रनिंग आउल को लाई थी.



"आज मैं पहला कौर खाऊंगा!" एक छोटी चील ने कहा.

"राल्फ को पिछली बार पहला कौर मिला था!"

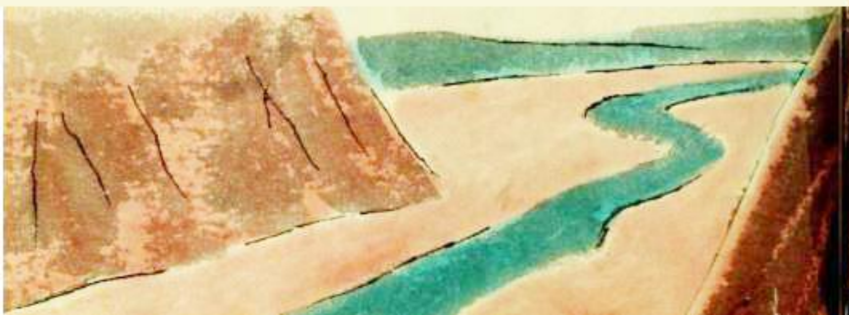
"उसे अभी मत काटो, मैरियन," बड़ी चील ने कहा.

"मैं पहले उसकी बात सुनना चाहता हूं."

"मेरा मकसद तुम्हें कोई नुकसान पहुँचाना नहीं था!" रनिंग आउल बोला.

"मैं सिर्फ अपने बालों के लिए तुम्हारा एक पंख चाहता था!"





"सिर्फ एक पंख पाने के लिए तुमने कितनी मुसीबतें उठाई," बड़ी चील ने कहा.

"क्या तुम पक्की तौर पर कुछ और नहीं करने जा रहे थे?"

"मैं भला और क्या कर सकता था?" रनिंग उल्लू ने कहा. "तुम मुझसे बहुत ज़्यादा बड़े हो!"

एक चील का बच्चा रनिंग आउल के पीछे रेंगता हुआ आया और उसने अपनी चोंच खोल दी.

"ओटो, तुम उससे दूर रहो," बड़ी चील ज़ोर से चिल्लाई.

"मैंने कहा कि जब तक हम उसकी कहानी नहीं सुन लेते, तब तक उसे बिलकुल मत छूना!"

फिर ओटो ने अपनी चोंच बंद कर ली और उसने कुछ नहीं कहा.



"मेरे पिता ने कहा कि मैं शिकार करने के लिए बहुत छोटा था," रनिंग आउल ने कहा.

"मैंने सोचा कि अगर मेरे पास एक चील का पंख होगा तो फिर मेरा भाग्य खुल जाएगा. मैं बस वही करने की कोशिश कर रहा था."

चील ने उसकी ओर देखा.

"पर तुमने बहुत ध्यान से नहीं सोचा, क्यों है ना?" बड़ी चील ने अंत में कहा.



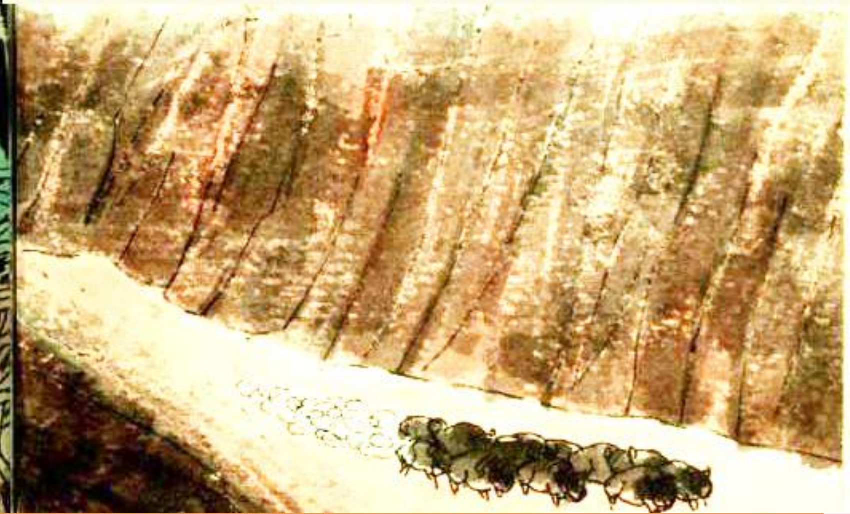




"मैंने तो काफी सावधानी बरती थी," रनिंग आउल ने कहा.

"मेरा मतलब है कि तुमने बहुत आगे की नहीं सोची. आगे क्या हो सकता था तुमने उसके बारे में नहीं सोचा."

"नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता है," रनिंग आउल ने उत्तर दिया.



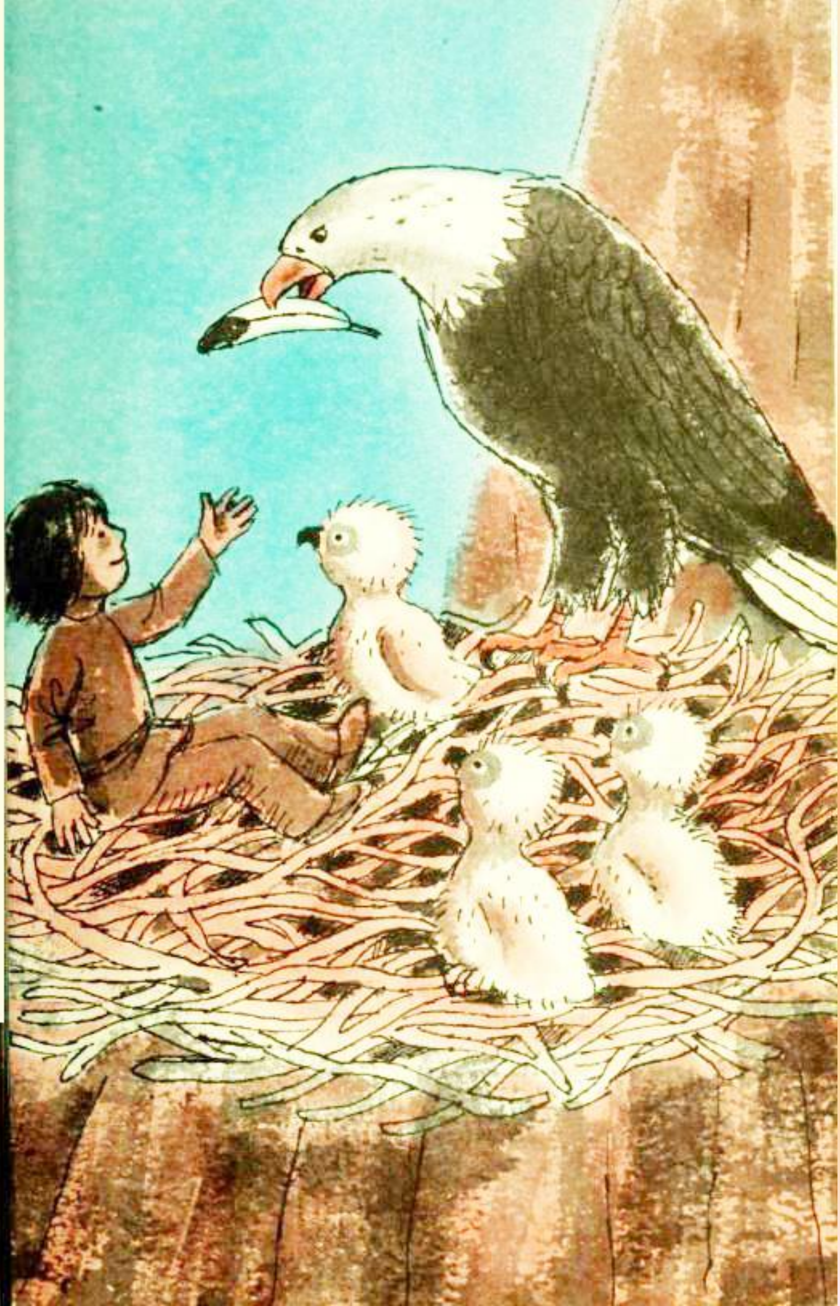
"तुम जल्द ही सीख जाओगे," चील ने घोंसले में चारों ओर देखा, और वहां उसे एक गिरा पंख दिखाई दिया.

"यह लो," कहकर उसने रनिंग आउल को अपना पंख दे दिया.

"यह पंख तुम्हें अपने पहले पाठ की हमेशा याद दिलाएगा. तुम उसे अपने बालों में लगा सकते हो."

"धन्यवाद," रनिंग आउल ने कहा.

"सच में मैं बस यही चाहता था."







वहां से रनिंग आउल के घर का रास्ता काफी लंबा था.





"एक चील ने मुझे दिया," रनिंग आउल ने उत्तर दिया.

"चील ने?" उसके पिता ने आश्चर्य से पूछा.

"यह एक लंबी कहानी है," रनिंग आउल ने कहा, और फिर वो सोने के लिए अपने बिस्तर में घुस गया.

"वो कहानी मैं आपको कल बताऊँगा."

जब वो घर वापिस पहुंचा तो उसके पिता और अन्य लोग भैंस का शिकार करके वापस लौट रहे थे.

उसके पिता ने रनिंग आउल के बालों में लगे पंख को देखा.

"तुम्हें यह पंख कहां से मिला?" उन्होंने पूछा.





इससे पहले कि उसके पिता उससे और कुछ पूछते, रनिंग आउल सो चुका था.

अंत